वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 356 | मंगलवार 25 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पायलट के सवाल पर गहलोत का सियासी टर्न

खींचतान पर बोले- हमें आपस में नहीं लड़ाएं; कहा- इस बार सरकार रिपीट होगी

जयपुर. कासं

सीएम अशोक गहलोत ने सचिन पायलट खेमे से चल रही खींचतान को लेकर बने सियासी नरेटिव पर कहा है कि मीडिया आपस में हम लोगों को किसी से नहीं लड़वाए। हम चुनाव जीतकर आएंगे। जनता ने मूड बना लिया है। इस बार सरकार रिपीट होने जा रही है। सचिन पायलट सीएम गहलोत पर लगातार हमलावर हैं। ऐसे में कांग्रेस में आपसी खींचतान बढ़ रही है। गहलोत के बयान को उस खींचतान से ध्यान डायवर्ट करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सोमवार को गहलोत महंगाई राहत कैंप की शुरूआत के बाद जयपुर के पास महापुरा में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। बीजेपी राज के करप्शन को लेकर सचिन पायलट के अनशन के बाद से सीएम अशोक गहलोत ने सीधे तौर पर पायलट को कोई जवाब नहीं दिया है। गहलोत इशारों में ही बयान देते रहे हैं। दिल्ली में दो दिन पहले गहलोत ने इशारों में पायलट पर बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि खुद के नुकसान की तो भरपाई हो जाती है लेकिन पार्टी के नुकसान की भरपाई नहीं होती है। सीएम अशोक गहलोत के एक लाइन के बयान को सियासी जानकार बहुत अहम मान रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब सचिन पायलट बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर लगातार सीएम अशोक गहलोत पर सवाल उठा रहे हैं।

सफाई कर्मचारी भर्ती पर बवाल

वाल्मिकी समाज ने मंगलवार से काम का बहिष्कार करने का किया एलान; आरक्षण के आधार पर भर्ती का कर रहे है विरोध

जयपुर. कासं

सफाई कर्मचारियों के 13 हजार 184 पदों पर भर्ती के लिए निकली विज्ञप्ति के साथ ही बवाल मच गया है। विभिन्न वर्गों के आरक्षण के साथ निकली भर्ती के विरोध में प्रदेशभर के वाल्मिकी समाज के सफाई कर्मचारियों ने कल से अनिश्चकालीन हड़ताल पर जाने का एलान कर दिया है। इस कारण 25 अप्रैल को जयपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में सफाई व्यवस्था बे-पटरी हो सकती हैं। सफाई कर्मचारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक हड़ताल पर रहेंगे। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर हुई में वाल्मीकि समाज के लोगों ने यह निर्णय किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय किया कि 2018 के पैटर्न पर भर्ती नहीं होने दी जाएगी। सरकार ने हमारे साथ वादाखिलाफी की है, जिसके चलते आज मंगलवार से वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने कहा कि 2018 कि तर्ज पर सफाई कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों ने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर आरक्षण के साथ सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली गई तो शहर की सफाई व्यवस्था ठप कर देंगे। इसलिए सरकार जब तक

पदों का आरक्षण हटाकर वाल्मीकि समाज को सफाई कर्मचारी भर्ती में प्राथमिकता नहीं देगी, हम काम पर नहीं आएंगे। डंडोरिया ने कहा कि साल 2018 से पूर्व जिन कर्मचारियों ने संविदा पर सफाई का कार्य किया है उन्हें प्राथमिकता दी जाए। सफाई भर्ती 2023 में जिनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है और कोर्ट ने नियुक्ति दिये जाने के आदेश जारी कर दिए हैं उन्हें प्राथमिकता दी जाए। 30 हजार सफाई कर्मचारियों की भर्ती स्टाफ पैटनर्स के आधार पर सम्पूर्ण राजस्थान में की जाए।

राजस्थान में तीन दिन बाद फिर बारिश-आंधी का अलर्ट

अप्रैल में पड़ी सर्दी; मई का पहला हफ्ता भी ठंडा रहेगा...

जयपुर. कासं

जयपुर समेत कई शहरों में आंधी-बारिश से गर्मी के तेवर नरम पड़ गए हैं। पिलानी, अलवर, धौलपुर समेत कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 2 से लेकर 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। देर शाम धूलभरी हवा चलने से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अगले तीन दिन मौसम साफ रहेगा। फिर 27-28 अप्रैल से एक मजबूत सिस्टम एक्टिव होगा। इसके असर से आंधी-बारिश का दौर वापस शुरू होगा। यह रुक-रुककर चलता रहेगा। मौसम केंद्र जयपुर और सिंचाई विभाग से जारी रिपोर्ट देखें तो कल जयपुर के चौमू, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, माधोराजपुरा, फागी समेत कई जगहों पर 1 से 3टट तक बरसात हुई। इससे पहले जयपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी चली। यह स्थिति झुंझुनूं, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़ और गंगानगर एरिया में भी रही। अंधड़-बूंदाबांदी के बाद जयपुर, दौसा, झुंझुनूं समेत कई शहरों में ठंडी हवा चलती रही। इससे तापमान में गिरावट हुई और कई शहरों में मौसम सुहावना हो गया।

6 डिग्री सेल्सियस तक गिरा तापमान

आंधी-बारिश के कारण राजस्थान के कई शहरों में पारा लुढ़क गया। धौलपुर में सबसे ज्यादा 6.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही। यहां

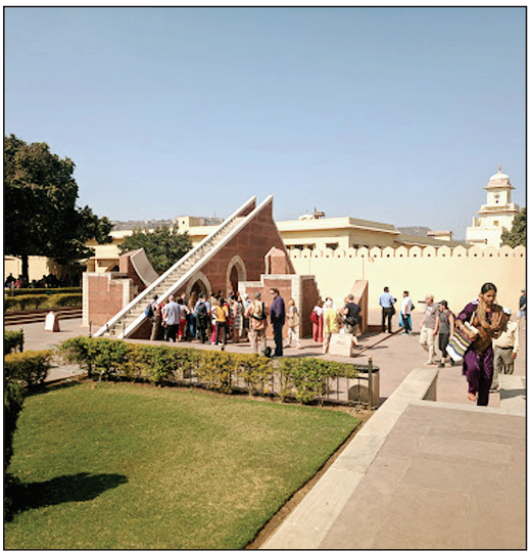

एक दिन पहले अधिकतम तापमान 38.8 था, जो गिरकर कल 32.4 डिग्री पर आ गया। इसी तरह झुंझुनूं के पिलानी में तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 31.4 पर पहुंच गया। अलवर में कल दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे कम रहा। करौली में भी तापमान में 4.5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। तापमान में गिरावट के कारण राज्य के अधिकांश शहरों में पारा सामान्य से नीचे चला गया है।

जौधपुर दीक्षा शताब्दी आयोजन के तृतीय दिवस

साधनों से नही साधना से मनुष्य महान बनेगा: उपप्रवर्तक विनय मुनि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जौधपुर। साधनो से नही साधना से मनुष्य महान बनता है । सोमवार को पावटा रोड हनवन्त गार्डन में दीक्षा शताब्दी समारोह कार्यक्रम के तहत प्रवर्तक सुकनमुनि व उपप्रवर्तक विनय मुनि भीम ने श्रध्दालूओ से कहा की निस्वार्थ भाव से जो कर्म करेगा उसकी महानता हर समय याद रखी जाएगी। जीवन में संयम व नैतिक मूल्य के साथ परमात्मा की साधना करने वाला प्रांणी संसार सागर से अपनी आत्मा को दल दल से निकाल सकता है। इसदौरान साहिल मुनि,हरीश मुनि, प्रभात मुनि व उपप्रवर्तिनी मैनाकंवर, विधुषी साध्वी कमलप्रभा,डॉक्टर सुलोचना,साध्वी प्रांजल, विनीतप्रज्ञा आदि सभी ने महासती सोहन कंवर कंचन कंवर व महासती बंसता कंवर आदि के जन्म संयम,स्मृति दिवस पर गुणगान करते हुये कहा की व्यक्ति जन्म से महान नही बनता है वह कर्मो के द्वारा ही महान बनता है।आप सभी चारित्र आत्मा ओं ने संयम धर्म अंगीकार करके जीवन को तो सार्थक बनाया ही है प्राणीयों को धर्म की राह दिखाकर के अपने जीवन को महान बनाया । धर्मसभा से पूर्व सभा स्थल पर नवकार संयम कलश की श्रध्दालूओ महामंत्र के जापकर कलश की स्थापना की ।लाभार्थी परिवार शंकर लाल सुनिल बाघरेचा का शताब्दी आयोजन समिति की ओर से शोल माला पहनाकर अभिनन्दन किया गया। चतुर्थ दिवस मंगलवार को स्वाध्याय दिवस के रूप मे दीक्षा शताब्दी मनाई जायेगी ।

DOLPHIN
WATERPROOFING
(Heat insulating Elastomeric coating)
Outer Surface temperature reduction upto 30-40%
Interior temperature reduction upto 15-20%
बिजली की बचत... राष्ट्र की उन्नति

DR. FIXIT®
WATERPROOFING EXPERT

अब गर्मी की नो एंट्री
- क्या गर्मी में आपका कमरा अधिक गरम हो जाता है?
- बिजली चले जाने में घर में रहना मुश्किल हो जाता है?
- एसी के प्रयोग से बिजली का बिल अधिक आता है?
- छत पर रखे प्लास्टिक/कंकृत टैंक से गरम पानी आता है?
- क्या मंदिर के फ़र्श पर परिक्रमा करते हुए पैर जलते हैं?

तो लगाये Dolphin Waterproofing का हीट गार्ड.
और हो जाए चिंता मुक्त....

+91 - 8003614691

DOLPHIN WATERPROOFING
116/183. Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur-302020
E mail : rajendrajain5533@gmail.com

कूलर इन्वर्टर एसी

भानुप्रताप सिंह, मुकेश माधवानी और राजू अग्रवाल को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा होटल ब्लू फेदर स्पा एंड सलून उदयपुर में हुए कार्यक्रम में कृष्ण गोपाल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान द्वारा उनको सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में बताया कि यह संगठन समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, शोषण, आतंकवाद व मानवाधिकार हनन जैसी घटनाओं को सरकार व स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर पूरे राज्य में प्रदेश की जनता को न्याय दिलाने का कार्य कर रहा है।यह संगठन राजस्थान राज्य के लगभग सभी जिलों में कार्यरत है। इस अवसर पर मानवाधिकार के समस्त पदाधिकारियों को उनके कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। सर्टिफिकेट प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत (विधायक वल्लभनगर), उमेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष और घनश्याम सिंह चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मानव अधिकार नई दिल्ली की उपस्थिति में दिया गया। जारी अधिसूचना के तहत प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता की अनुशंसा पर राष्ट्रीय समिति और राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भानु प्रताप सिंह को प्रदेश यूथ अध्यक्ष और मुकेश माधवानी को प्रदेश प्रभारी राजस्थान बनाया गया।

रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल : 9829050939

तारा संस्थान उदयपुर द्वारा 71 वरिष्ठजनो का किया गया भावभीना अभिनंदन

कोटा. शाबाश इंडिया

तलवंडी स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर में तारा संस्थान उदयपुर के द्वारा धारा 71 वरिष्ठ जनो का भाव भीना अभिनंदन कर सिर पर मेवाड़ी पगड़ी माला दुप्पटा अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। तारा संस्थान की संगीता जी एवम डॉ राजकुमार सोनी ने सफल संचालन किया।संगीत की सुमधुर धुनों के साथ जीतू गंधर्व ने अपनी भाव पूर्ण प्रस्तुति से सभी को भाव विभोर कर दिया। विगत 31वर्षो से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जैन युवा पत्रकार गौरव सर्व श्रेष्ठ संवाद दाता अवार्ड विजेता जैन समाज के अनमोल रत्न पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा का भी मेवाड़ी पगड़ी माला तिलक लगाकर भाव भीना अभिनंदन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती अलका जैन श्रीमती भावना जी दिपेश जी मित्तल सुरेश जाट , रमेश जी मीणा अशोक सोनी योगेंद्र सोनी नवल जी प्रमोद सोनी का अविस्मरणीय योगदान रहा। वीडियो कॉल के द्वारा डॉ अल्पना जी उदयपुर ने तारा संस्थान की समस्त गतिविधियों से अवगत करवाया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा ने बताया कि 2011 से बुजुर्गों की सेवा में तत्पर रहे हैं तारा संस्थान उदयपुर द्वारा निर्धनों के मोतियों बिंद ऑपरेशन, निराश्रय बुजुर्गो के खाद्य सामग्री सहायता और असहाय महिलाए को नगद

सहायता राशि वृद्धा आश्रम आदि सेवा कार्य पूर्णतया निशुल्क दिल्ली, उदयपुर, मुंबई, फरीदाबाद इत्यादि नगरों में समर्पित किए जा रहे है ।जिसकी जितनी तारीफ की जाए कम ही होगी। अभी तक संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न शहरो के नेत्र हॉस्पिटलों में 125000 से ही मोतियाबिंद ऑपरेशन निशुल्क सफल ऑपरेशन गए हैं संस्थान के पांच श्रद्धाश्रम भी है ।उदयपुर में तीन इलाहाबाद में एक काशी में एक इन सभी वृद्ध आश्रम में 200 से अधिक वृद्धाजन हैं। सभी योजनाएं पूर्णतया निशुल्क रहती है। नारायण सेवा के संस्थापक कैलाश मानवता की प्रेरणा से तारा संस्थान का शुभारंभ अर्थात उदभव हुआ है। श्रीमती कल्पना सचिव संस्थान के द्वारा सेवा कार्यों का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। सम्मान समारोह के बाद वात्सलमय भोजन का आयोजन किया गया। सभी उपस्थित वरिष्ठ जनों ने खूब भक्ति रस में डूब डूब कर नृत्य किए।

वेद ज्ञान

प्रारब्ध और पुरुषार्थ की महत्ता

मनुष्य का जीवन कठपुतली के समान है। कठपुतली की तरह हमारी डोर भी किसी और के हाथ में है और वह जैसा चाहता है हमसे वैसा अभिनय करवाता है। हमें सिर्फ उसके निर्देशन में अभिनय करते जाना होता है। हमारे जीवन की कहानी वह पहले ही लिख चुका है। इसलिए जीवन में कभी उतार-चढ़ाव आएं तो हमें न बहुत ज्यादा भयभीत और न ही बहुत ज्यादा खुश होना चाहिए। हमें अपने जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को उस निर्देशक की आज्ञा माननी चाहिए और फिर उसी के अनुरूप अभिनय करना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य एक सीमित अवधि के लिए इस संसार में आता है और परमपिता ने हमारे हिस्से में जितना सुख या दुख लिखा है उसे हमें हर हाल में भोगना ही पड़ता है। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की नियति तय है और यही प्रारब्ध यानी भाग्य है। हमारे प्रारब्ध से हमारा पुरुषार्थ यानी कर्म जुड़ा हुआ है। इन दोनों के बीच गहरा रिश्ता होता है। जैसे कुछ लोग कहते हैं कि जब प्रत्येक मनुष्य की नियति तय है और उसके भाग्य में जो लिखा है, वही होना है तो फिर कर्म करके क्या लाभ? इसी तरह दूसरे मत के लोगों का मानना है कि भाग्य नाम की कोई चीज नहीं होती, जितना और जैसा कर्म किया जाता है उसी के अनुरूप फल मिलता है। असल में प्रारब्ध और पुरुषार्थ दोनों की ही अपनी-अपनी महत्ता है। प्रारब्ध के बगैर पुरुषार्थ अधूरा है और पुरुषार्थ के बगैर प्रारब्ध। एक गाय दलदल में फंसी हुई थी। एक लुटेरा उस राह से गुजरा। उसने गाय की मदद नहीं की, लेकिन कुछ दूर जाने पर उसे एक आभूषण मिल गया। कुछ देर बाद एक साधु भी उसी राह से गुजरे। उन्होंने गाय को दलदल से बाहर निकलने में मदद की, लेकिन कुछ दूरी पर वे स्वयं एक गड्ढे में गिर गए। यह नजारा देख रहे नारद मुनि सीधे परमपिता के पास गए और शिकायत करते हुए कहने लगे कि प्रभु धरती पर आपका प्रभाव कम हो रहा है। जो धर्म कर रहे हैं उन्हें बदले में सजा और जो अधर्म कर रहे हैं उन्हें पुरस्कार मिल रहा है। इस पर परमपिता ने जब यह कहा कि ऐसा संभव नहीं है तो नारद मुनि ने यह किस्सा उन्हें सुनाया। परमपिता ने कहा कि लुटेरे के प्रारब्ध में खजाना था, लेकिन उसने अधर्म किया इसलिए उसे एक आभूषण ही मिला।

संपादकीय

घाटी में आतंकवादियों का मंसूबा कमजोर नहीं हुआ!

सरकार जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दी पर काबू पाए जाने के चाहे जितने दावे करे, पर हकीकत यही है कि वहां आतंकवादियों का मंसूबा कमजोर नहीं हुआ लगता है। वे समय-समय पर अपनी रणनीति बदलते हैं और घात लगा कर सेना और सुरक्षा बलों पर हमला कर देते हैं। पुंछ में आतंकवादरोधी अभियान में तैनात एक वाहन पर हथगोले से हमला इसका ताजा उदाहरण है। बताया जा रहा है कि दहशतगर्दों ने बारिश और कम दृश्यता का फायदा उठा कर वाहन पर हथगोले फेंके, जिससे आग लगने की वजह से पांच जवान शहीद हो गए और एक गंभीर रूप से घायल है। सरकारी आंकड़ों में बताया जाता है कि घाटी में सतत सघन तलाशी अभियान, आतंकियों को वित्तपोषण करने वालों की पहचान और उनके खिलाफ सख्ती के चलते आतंकवादियों की तादाद काफी कम हो गई है। आतंकवादी हमलों में कमी के आंकड़े भी पेश किए जाते हैं। मगर शायद ही कोई महीना गुजरता है, जब सुरक्षाबलों पर आतंकी हमले की कोई घटना नहीं होती। इसके समांतर घाटी में रह रहे बाहरी लोगों, खासकर कश्मीरी पंडितों को निशाना बना कर हमले किए जाते हैं। यह सब तब हो रहा है, जब सड़क मार्ग के रास्ते पाकिस्तान के साथ तिजारत बंद है, जो दहशतगर्दों तक हथियारों की खेप पहुंचने का बड़ा माध्यम मानी जाती थी। फिर सीमा पर चौकसी पहले से बढ़ी है और अत्याधुनिक उपकरणों से लगातार निगरानी की जाती है। फिर भी उनके पास हथियार, हथगोले और धन पहुंच रहा है, तो निगरानी तंत्र को और पुख्ता बनाने की जरूरत स्वतः रेखांकित होती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कश्मीर घाटी में आतंकवादियों को पाकिस्तान की ओर से मदद मुहैया कराई जाती है। मगर पिछले सात-आठ सालों में जब वहां लगातार अलगाववादियों और दहशतगर्दों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन तक हथियार और पैसे की पहुंच रोकने के तमाम उपाय किए गए हैं। उनका समर्थन और वित्तपोषण करने वालों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है, उसके बावजूद क्या वजह है कि आतंकवादी न सिर्फ अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं, बल्कि सुरक्षा बलों को चुनौती भी देते रहते हैं। सरकार को इन पहलुओं पर नए सिरे से और व्यावहारिक ढंग से विचार करना चाहिए। इस सच्चाई से आंख नहीं फेरी जा सकती कि बिना स्थानीय समर्थन के आतंकवादी वहां बने रह सकते हैं। जिस दौर में स्थानीय लोगों ने आतंकवादियों को पनाह देनी बंद कर दी थी और वे उनका विरोध करने लगे थे, उस दौरान घाटी में आतंकवादी घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लग गई थी। मगर जबसे जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छिना है, घाटी के लोगों में खासा आक्रोश है। सच्चाई यह भी है कि सरकार वहां के लोगों को अपने फैसले के पक्ष में सहमत कर पाने में सफल नहीं हो पाई है। वहां आम लोगों और हुकूमत के बीच दूरी बढ़ती गई है। संवाद का कोई सिलसिला रह नहीं गया है। रोजगार के नए अवसर पैदा नहीं हो रहे हैं और पारंपरिक रोजगार बाधित है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नई उम्मीद...

यह अपने आप में विडंबना ही है कि भारत के भीतर ही दो राज्यों के बीच सीमा का मसला करीब पांच दशकों तक उलझा रहा और उसे लेकर दोनों ओर से दावे किए जाते रहे। लेकिन इस मामले में इतने लंबे वक्त के बाद अब जाकर हल का जो रास्ता निकला है, उससे उम्मीद बंधी है कि अरुणाचल प्रदेश और असम इस मुद्दे से आगे निकल कर अब अपने क्षेत्राधिकार में अन्य समस्याओं के हल पर ध्यान देंगे। दरअसल, गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री की मौजूदगी में असम और अरुणाचल प्रदेश की सरकारों ने अपने बीच पुराने सीमा विवाद को खत्म करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही यह माना जा रहा है कि पूर्वोत्तर के इन दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित एक सौ तेईस गांवों से जुड़ी समस्या का भी हल हो गया है। असम और अरुणाचल प्रदेश लगभग आठ सौ चार किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। लेकिन 1972 में जब अरुणाचल प्रदेश को केंद्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था, उसके बाद से ही दोनों राज्यों के बीच यह विवाद चल रहा था। अरुणाचल का दावा था कि मैदानी हिस्सों में कई वन क्षेत्र पारंपरिक रूप से आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के होते थे, लेकिन एकतरफा फैसले के तहत उस जमीन को असम को दे दिया गया। दरअसल, इस इलाके में अलग राज्यों के गठन के वक्त ही सीमा के सही निर्धारण को लेकर स्पष्टता नहीं बन पाई थी और यही इस पूरे विवाद की जड़ रही। इसी वजह से समय-समय पर पिछले पचास साल से दोनों राज्यों के बीच आपस में खींचतान चलती रहती थी। यही नहीं, इसी विवाद की वजह से असम और इलाके के चार राज्यों- मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के बीच अक्सर हिंसा की घटनाएं भी होती रही हैं। इक्का-दुक्का उदाहरणों को छोड़ दिया जाए तो देश भर में अमूमन सभी राज्यों की सीमाओं को लेकर आमतौर पर कोई बड़ी उठापटक या खींचतान नहीं रही है। नए राज्यों के गठन या किसी राज्य के विभाजन को अंतिम रूप दिए जाने के पहले ही अगर सीमा-क्षेत्र का स्पष्ट निर्धारण कर लिया जाए तो शायद इस उलझन से बचा जा सकता है। यह समझना मुश्किल है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच का विवाद इतने लंबे वक्त तक क्यों खिंचता रहा। अब इस संबंध में एक रास्ता निकल सका है तो जाहिर है कि इस मसले का समाधान पहले भी निकल आता। मगर ऐसा लगता है कि अब तक इसके लिए ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ ठोस पहल नहीं हो सकी थी। हालांकि पिछले साल जुलाई में असम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने नामसाई घोषणापत्र के जरिए अपने बीच के सीमा विवाद को खत्म करने का संकल्प लिया था। उसमें विवादित गांवों को पहले के एक सौ तेईस के बजाय छियासी तक सीमित करने का फैसला लिया गया था। अच्छी बात है कि टकराव और हिंसा तक के हालात से गुजरने के बाद अब जाकर इस पुराने लंबित विवाद को एक तरह से सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया गया है। यह एक अहम उपलब्धि है। खासतौर पर पूर्वोत्तर के राज्यों में उथल-पुथल और अक्सर हिंसक टकराव के अतीत को देखते हुए कहा जा सकता है कि इस समझौते से देश के संघीय ढांचे को मजबूत करने और राज्यों के बीच आपसी संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था द्वारा स्नेह मिलन आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के तत्वावधान में जैन भवन भट्टारक जी की नसिया में रविवार 23 अप्रेल को महावीर जयंती स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि संस्था की मुख्य कार्यकारिणी, महिला मंडल एवं युवा मंडल के सदस्यों के द्वारा संयुक्त रूप से यह रंगारंग भक्ति भाव पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महेन्द्र कुमार पाटनी, मंत्री प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ । दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण सुरेंद्र जैन के द्वारा किया गया । समारोह की अध्यक्षता महावीर मनोज के द्वारा की गई । मुख्य अतिथि हरिमोहन , चमत्कार एवं गौरव वीरेंद्र जैन थे । पारितोषिक के पुण्यार्जक डॉ इन्द्र कुमार जैन, निशांत जैन, अनुभव जैन एवं युवराज अलका जैन रहे। विशिष्ट अतिथि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की अध्यक्ष शकुन्तला बिंदायका थी।

वर्षीतप आराधकों का अभिनन्दन, ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र का विमोचन

जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा के पदाधिकारी पहुंचे जोधपुर में आयोजित समारोह में

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की ओर से जोधपुर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर पूज्य संत-साध्वी प्रवर के सानिध्य में आयोजित वर्षीतप पारणा महोत्सव कार्यक्रम में वर्षीतप आराधकों का अभिनन्दन करने के साथ जयमल प्रश्न ज्योति ,जयमाला के चुनो मोती ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र का विमोचन किया गया। पूज्य प्रवर्तक श्री सुकनमुनि जी म सा , आदि ठाणा , उप प्रवर्तक पूज्य श्री विनय मुनि जी म.सा भीम आदि ठाणा, पूज्य उपप्रवर्तिनी साध्वी श्री मैना कवर जी आदि ठाणा, महासाध्वी जयमाला जी म सा आदि ठाणा के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रश्नपत्र का विमोचन जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की प्रांतीय अध्यक्ष नीता बाबेल के नेतृत्व में कई पदाधिकारियों व सदस्यों ने किया इस प्रश्नपत्र का सम्पादन साध्वी श्री आनंदप्रभाजी आशा के द्वारा हुआ है। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्रमण संघ का स्थापना दिवस होने के साथ परम पूज्य श्री जोरावरमल जी म.सा. का जन्म एवं दीक्षा दिवस तथा प्रवर्तकश्री मरूधर केसरी श्री मिश्रीमलजी म.सा. के दीक्षा दिवस ,प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमल जी म सा 'मधुकर' संयम शताब्दी समारोह का भी संयोग बना। समारोह के बाद जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा के सदस्यों ने वर्षीतप करने वाले सभी भाई बहनों और भीलवाड़ा की लाड़ जी मेहता को उपर्णा, माला ,व सामयिक का बेग शाल के द्वारा अभिनंदन करते हुए इक्षुरस से पारणा कराने का धर्मलाभ प्राप्त किया।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाए...

अजमेर. शाबाश इंडिया

जीव दया के प्रेरक दिगंबर जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से संपूर्ण भारत वर्ष में जीव दया से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित है। उसी क्रम में आज भारतीय जैन मिलन अजमेर के द्वारा एक मनमोहक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैन मिलन के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी ने बताया सेंट फ्रांसिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों के द्वारा बहुत ही खूबसूरत कलाकारी करके पक्षियों के लिए परिंडे सजाएं। भारतीय जैन मिलन की महिला इकाई कि सदस्यों के द्वारा उनका अवलोकन किया गया। निर्णायक मंडल के द्वारा मुश्किल हो गया कि किस को पुरस्कृत किया जाए सभी बहुत बढ़िया बनाए गए थे। लगभग 500 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया जिसे 4 वर्ग में बांटकर उन्हें प्रथम द्वितीय तृतीय सांत्वना

पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि सनी जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ रहे। बच्चों ने अपने भावों की अभिव्यक्ति बहुत ही सुंदर शब्दों में जीव दया के प्रति की। गर्मी के मौसम में पक्षियों का अकाल मरण जल के अभाव के कारण हो जाता है उस पर बच्चों ने बहुत ही सुंदर शब्दों में व्याख्या की। कार्यक्रम में उपस्थित जैन मिलन की महिलाओं के द्वारा शपथ ली गई कि वह अपने आसपास में पांच परिंदों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे। स्कूल की प्रधानाचार्य शिशु शुभा के द्वारा अतिथियों का शब्दों द्वारा अभिनंदन किया गया एवं मुख्य अतिथि का दुपट्टा पहनाकर जैन मिलन के उपाध्यक्ष पीसी जैन गंगवाल के द्वारा किया गया। भारतीय जैन मिलन की क्षेत्रीय कार्यकारिणी के 1पदाधिकारियों की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा स्कूल की प्राचार्य सिस्टर शुभा एवं आर्ट एंड क्राफ्ट की टीचर ज्योति मैम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के सदस्य विजय पोखरना के द्वारा रचित कविता का बच्चों ने आनंद लिया जैन मिलन महिला इकाई की अध्यक्षा श्रीतमा जैन अलकेश जैन रेखा जैन निकी जैन शांता काला सरोज पांडेय सेल जैन वीर मदनलाल बाफना वीर मुकेश पांडेय वीर महिंद्र काला वीर पदम सोगानी वीर नाथूलाल जैन वन्य पदाधिकारियों उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन वीर प्रकाश जैन पाटनी प्रदेश अध्यक्ष ने किया।

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव के सानिंध्य मे मनाया अक्षय तृतीया महापर्व

दहमीं कलां मे हुआ दो दिवसीय कार्यक्रम का आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव का प्रथम आहार दिवस ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदीर दहमी कलां में धूम धाम से मनाया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत आचार्य नवीन नदी महाराज के सानिंध्य मे हुई। मंत्री प्रमोद बकलीवाल ने बताया आज प्रातः ऋषभ देव भगवान का अभिषेक जल, दूध दही घी बुरा एवं आम रस, चिकु रस, मौसमी रस, से किया गया। इसमें परमेश जी, मीना जैन, गौरव जैन, प्रशांत बकलीवाल पदम जी सांझरिया सुनील जैन वैभव जैन आदीं भाग लिया और अभिषेक संपन्न करवाया। बाद मे विश्वशांती के लिए शांतिधारा की गई।

महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय खारिया में पंखे भेंटकर परिंडे लगाए

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारिया में प्रचंड गर्मी को ध्यान में रखते हुए संस्था कि प्रेरणा से दानदाता शांतिलाल जी अनिल कुमार जैन द्वारा व विद्यालय कि अध्यापिका सुनीता जी जैन गंगवाल परिवार के सहयोग से विद्यालय में 2 पखे भेंट किए साथ ही पक्षियों के लिए पांच परिंडे लगाकर जीव दया सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में संस्था के वीरा सचिव शारदा वर्मा, वीरा विजय कोर वीर नंदकिशोर बिडसर वीरा कोमल गंगवाल गवनिर्ग काउसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया वीर सुरेश गंगवाल वीरा सुनीता जैन। प्रधानाचार्य दिनेश कुमार लाडना, आनंदराम, मुलाराम, बिरधाराम, शिवपाल सिंह, शंकरलाल, विनोद कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, भागीरथ राम, प्रवीण कुमार, आरिफ खान, विद्यालय प्रधानाचार्य ने संस्था द्वारा समय समय पर विद्यालय में बच्चों कि जरूरते पुरी करने पर दानदाता परिवार व संस्था के प्रति साधुवाद कर धन्यवाद ज्ञापित किया ।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल की प्रेरणा से पंच पीपलेश्वर महादेव मंदिर में टीन-शेड का लोकार्पण

ब्यावर. कंचन केसरी

शहर में सबकी सेवा सबको प्यार के उद्देश्य से नवगठित महावीर इंटरनेशनल रॉयल की प्रेरणा से स्व. उत्तम चंद जी सखलेचा की पुण्य स्मृति में सुनील कुमार पंकज कुमार सखलेचा परिवार द्वारा बजारी गली में स्थित पंच पिपलेश्वर महादेव मंदिर में जनहितार्थ टीन शेड का निर्माण करवा कर मंदिर प्रबंधन को समर्पित किया गया। संस्था के चेयरमैन वीर अशोक पालडेचा ने बताया कि संस्था अपने गठन से ही सेवा कार्य में अग्रणी रही हैं। जब संस्था को मंदिर प्रांगण में धूप एवं बारिश से बचाव हेतु टिन शेड की आवश्यकता की जानकारी हुई तो संस्था सदस्य वीर पंकज सखलेचा द्वारा टीन शेड निर्माण का दायित्व अपने ऊपर लेकर मंदिर में टीन शेड लगवाया गया। सचिव वीर रूपेश कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर धनपत श्रीश्रीमाल, जोन कोषाध्यक्ष वीर महावीर बिनायकिया की गरिमामय उपस्थिति में टीन शेड का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम संयोजक वीर हेमेंद्र छाजेड़ एवं वीर मनोज रांका थे। इस अवसर पर पंडित विजय जी, वीर अभिषेक नाहटा, वीर दिलीप बी. भण्डारी, वीर योगेन्द्र मेहता, वीर प्रदीप मकाना, वीर अमित बाबेल, वीर अमित मेहता, वीर नरेन्द्र गेलड़ा, वीर गौतम रांका, वीर मुकेश गांग, वीर श्रेणिक बिनायकिया, वीर राहुल बाबेल, वीर बाबूलाल आच्छा, वीर दिलीप दक, वीर जितेन्द्र धारीवाल, वीर राजकुमार पहाड़िया, वीर रवि बोहरा, वीर ज्ञानचंद कोठारी, वीर दीपचंद कोठारी आदि उपस्थित रहे।

Since : 2013

शाबाश इंडिया

पाक्षिक, साप्ताहिक समाचार पत्र एवं दैनिक ई-पेपर

सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

दशक-ए-शाबाश

पल पल दिल के पास

BOLLYWOOD NIGHT

BOLLYWOOD NIGHT!

एक संगीतमय प्रस्तुति

बुधवार, 26 अप्रेल 2023
समय : सायं 7:30 बजे से

स्थान : वर्धमान ऑडिटोरियम
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

संगीतमय शाम के साथी

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्रीमती दीपशिखा जैन
गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्रीमती रतिका जैन
प्रसिद्ध एंकर
(अंताक्षरी फेम)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
माननीय न्यायाधिपति श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाईकोर्ट

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमती गुणमाला देवी गंगवाल
धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी गंगवाल (साढ़ी घर वाले)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् महेन्द्र जी पाटनी
मंत्री-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक :

राकेश – समता गोदिका

राजेश – अंजना गोदिका ✲ दिनेश – मीतू गोदिका ✲ सक्षम – आरूषी गोदिका
राज – एस.के. जैन ✲ रचिता – सिद्धार्थ खूटेटा ✲ अद्धिता खूटेटा
एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

शाबाश इंडिया

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् राजीव जी - सीमा जी गाजियाबाद
प्रमुख समाज सेवी

शाबाश इंडिया

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक
मोबाइल: 9414078380, 9214078380
shabaasindia.com
rakeshgodika@gmail.com
shabaasindia@gmail.com
रजि. कार्यालय : बी-180, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
सिटी कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, टोंक रोड़, जयपुर

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज की मूर्ति स्थापना

संत जनों के सानिध्य में शाही लवाजमा के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

विराटनगर. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित पावन धाम में रविवार को स्वामी सोमेंद्र महाराज सहित अनेक संत जनों के सानिध्य तथा पंडित गोपाल शुक्ला के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोचार के साथ ब्रह्मलीन संत शिरोमणि श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज की मूर्ति प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। इससे पूर्व भगवान परशुराम एवं श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष में बस स्टैंड बगीची से शाही लवाजमा, बैंड बाजे के साथ कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई मूर्ति परिक्रमा(भव्य शोभायात्रा) निकाली गई। जो कस्बे से 2 किलोमीटर दूर पावन धाम पहुंची। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम एवं वीर जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष आरती उतार कर पुष्प वर्षा की ।यात्रा में त्रिवेणी धाम के राम रिछपाल दास जी महाराज, रेवासा धाम के अग्रदेवाचार्य राघवाचार्य जी महाराज, टोरडा धाम के मंगल दास महाराज, लील का धाम के रामदास महाराज, झींड(पाछूडाला) के अनिरुद्ध महाराज सहित अनेक संत मौजूद थे। मूर्ति प्रतिष्ठा के उपरांत संत जनों के प्रवचन सुनकर श्रद्धालुओं ने उनसे आशीर्वाद लिया। वहीं भजन संध्या एवं संकीर्तन के दौरान मशहूर गायिका ममता वाजपेयी व बेबी आकांक्षा राव की एक से एक बढ़कर तथा शास्त्रीय संगीत मर्मज्ञ सतनाम व राधेश्याम द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध और भावविभोर किया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ की पूर्व सांसद नंद कुमार शाह, छत्तीसगढ़ भाजपा नेता अजय महाराज, राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा, विधायक इंद्राज गुर्जर, कार्यक्रम के संयोजक मंगल चंद गर्ग, सह संयोजक चंद्रकांत मित्तल, रानी रत्नाकुमारी, भाजपा नेता देवनारायण लटाला, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरिराज शर्मा, सरदारमल यादव, पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल, पूर्व सरपंच राजेश यादव, गुरुजी किशन लाल यादव, भीमसेन दोराता, पूर्व चेयरमैन भागीरथ मल सैनी, पूर्व पार्षद बद्री प्रसाद सैनी, प्रतीक शर्मा, वाइस चेयरमैन रामेश्वर यादव महेंद्र सैनी, अमरनाथ यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष विजय छिपा, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मामराज सोलंकी, युवाचार्य पंकज पाराशर, पवन बरीठ, राजू पुजारी, प्रहलाद इंदौरिया, सत्यनारायण पंसारी, शिवदयाल पंसारी, सुरेश बादली वाल ,निर्मल जैन, पूरण सैनी, रोमेश मिश्रा, विकास शर्मा, दीपेश चौबे, शेखर गुप्ता, बालकिशन शर्मा, नवीन तिवारी सहित देश प्रदेश से आए हुए भक्तजन एवं काफी संख्या में लोग मौजूद रहकर प्रसादी ग्रहण की।

अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महासभा का संभागीय अधिवेशन हुआ

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गुरू मां सुप्रकाश मति माता जी के सानिध्य मे उदयपुर बलिचा स्थित ध्यानोदय तीर्थ क्षेत्र पर अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महासभा का संभागीय अधिवेशन हुआ ।इस अवसर पर गुरू मां सुप्रकाश मति माता जी ने आशिर्वाद प्रदान करते हुए कहा यह 130साल पुरानी संस्था है जिसमे धर्म , तीर्थ, श्रुत सभी संस्थाओ का अपने अपने क्षेत्र मै महत्व है ओर कहा अपने मन के भाव एसे रखे कि किसी भी साधर्मी बंधु के काम आ सके। मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त जतीन जी गांधी वशिष्ठ अतिथि अनिल चितोडा भुवाणा केन्द्रीय महासभा के सुन्दर लाल डागरिया, राजेश शाह, अशोक जेतावत, ओम प्रकाश गोदावत,अरविन्द पाडलिया उपस्थित रहे। **राजकुमार जैन चितोडा भुवाणा उदयपुर।**

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

एक इच्छा कुछ नहीं बदलती, एक निर्णय कुछ बदलता है, लेकिन एक दृढ़ संकल्प सब कुछ बदल देता है...!

ज्ञान और संकल्प को दोधारी तलवार कहा है। हमारे ज्ञान, सोच और विचार के सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष होते हैं। तभी तो सुख के साथ दुःख, दिन के साथ रात, प्रेम के साथ घृणा, जन्म के साथ मरण, और मरण के साथ विषाद जुड़ा हुआ रहता है। इसलिए हमें जीवन जीने के साथ-साथ कठिन परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। कभी कभी हम स्वयं को इतना एकाकी महसूस करते हैं, कि हम चौराहे पर खड़े हैं- कहाँ जाएं? निर्णय नहीं ले पाते हैं कि कौन सी दिशा हमें मंजिल तक ले जायेगी। उस समय धैर्य, एकाग्रता, मन, विचार और बुद्धि का निर्णय या भीतर की आवाज ही हमें सही दिशा बोध दे सकती है। किस समय क्या निर्णय लेना है, ये बहुत बड़ी उल्झन है मन की। कभी कभी हमारे आपके द्वारा लिये गये निर्णय सफलता और विफलता में कारण बन जाते हैं। सही और गलत का पता तब चलता है जब फैसले का परिणाम आता है। मन, बुद्धि, विवेक और विचारों की एकता और मन की एकाग्रता से लिये गये निर्णय सफलताओं की दिशा में ले जाते हैं। इसी को आचार्यों ने निर्णयात्मिका बोध विचार कहा,, जो भीतर की चेतना से उठते हैं और सफलताओं के शिखर तक ले जाते हैं... **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com